शुक्रवार

25 अक्टूबर 2024

- देहरादून
- वर्ष 32
- अंक 255
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

32 साल से देहरादून का विश्वास

# दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

**एक नजर**

## 50 लाख की स्मैक के साथ दो महिलाएं गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। एसटीएफ ने पचास लाख रूपये की स्मैक के साथ दो महिलाओं को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आज यहां वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ नवनीत सिंह भुल्लर द्वारा ड्रग्स के खिलाफ कार्यवाही करने के लिये एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स को उत्तराखण्ड के समस्त जनपदों में कड़ी निगरानी रखते हुये कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। जिसके अनुपालन में आज उत्तराखण्ड एसटीएफ की एण्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स द्वारा थाना नेहरू कॉलोनी क्षेत्र में एक महिला प्रीति पत्नी दिनेश हाल पता दीपनगर थाना नेहरू कॉलोनी को 158 ग्राम स्मैक लाते हुए प्रसार भारती दूरदर्शन भवन के सामने थाना नेहरू कॉलोनी क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। पकड़ी गई तस्कर ने पूछताछ में बताया कि वह दीप नगर में रहती है एवं बरामद ड्रग्स को बिलासपुर,रामपुर, उत्तर प्रदेश से खरीद कर लाई है। वह दीप नगर में जिस मकान में परिवार के साथ किराए पर रहती है उसकी मकान मालकिन अनीता पत्नी जगदीश निवासी दीप नगर, नेहरू कॉलोनी स्थानीय स्तर पर स्मैक बेचने का काम करती वह उसको स्मैक लेने के लिए विलासपुर,रामपुर आदि जगहों पर भेजती रहती है, इसके बदले में अनीता घर का किराया नहीं लेती है।

एसटीएफ की एएनटीएफ टीम द्वारा मौके पर गिरफ्तार महिला प्रीति सुरी से पूछताछ हेतु एनसीबी की टीम को बुलाकर संयुक्त रूप से महिला तस्कर प्रीति सूरी की के बताए गए पते अनीता पत्नी जगदीश निवासी निकट चौहान टेंट हाउस दीपनगर थाना नेहरू कॉलोनी के घर पर तलाशी ली गई तो उसके घर पर 4 लाख 57 हजार नगद बरामद हुए। बरामद रुपयों के संबंध में अनीता से पूछताछ की गई तो इसके द्वारा बताया गया कि वह लाई गई स्मैक को स्थानीय स्तर पर छोटी छोटी पुड़िया बनाकर सप्लाई करती है तथा जो रकम उससे बरामद हुई है ये सप्लाई की गई स्मैक से ही प्राप्त की गई है। एसटीएफ ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

# उत्तरकाशी में तनावपूर्ण शांति, बाजार बंद

## ❑धारा 163 लागू, चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात

विशेष संवाददाता

उत्तरकाशी। बीते कल एक धार्मिक स्थल को हटाने की मांग को लेकर हिंदू संगठनों द्वारा निकाली गई रैली के दौरान हुए बवाल के बाद तनावपूर्ण शांति का माहौल है। पुलिस पर हुए पथराव और लाठी चार्ज की घटना के बाद पूरे जनपद में धारा 163 लगा दी गई है तथा चप्पे चप्पे पर पुलिस तैनात है। वही लाठीचार्ज के विरोध में आज पूरी यमुना घाटी के बाजार बंद है जिसका असर गंगा घाटी के बाजार पर भी देखा जा रहा है। तनाव के कारण आज जुमे की नमाज भी अता नहीं हुई तथा लोगों ने घरों में ही नमाज अता की।

पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुए इस संघर्ष में आठ पुलिस कर्मियों सहित 28 लोग घायल हो गए थे। एसपी उत्तरकाशी का कहना है कि क्षेत्र में अब शांति है तथा किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोकने के लिए धारा 163 लगा दी गई है। क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात है तथा किसी को भी कानून हाथ में नहीं लेने दिया जाएगा।

### ●धर्म गुरुओं की अपील पर घरों में पढ़ी गई नमाज ●समूची घाटी के बाजार बंद, यात्री परेशान

कल हुए लाठी चार्ज के विरोध में व्यापार मंडल के आह्वान पर पूरी यमुना घाटी और गंगा घाटी के बाजार बंद हैं तथा किसी की भी दुकान नहीं खुली है। बाजार बंद होने से यात्रियों को भारी परेशानी हो रही है। पुलिस आज कहीं भी लोगों को इकट्ठा नहीं होने दे रही है।

उधर मुस्लिम धर्म गुरुओं द्वारा लोगों से अपील की गई है कि वह शांति व्यवस्था को बनाए रखने में पुलिस की मदद करें तथा जुमे की नमाज के लिए मस्जिद न आकर घरों में ही नमाज अता करें। आज मस्जिद में जुमे की नमाज भी नहीं पढ़ी गई। उधर संघर्ष में घायल स्वामी दर्शन भारती द्वारा भी पुलिस प्रशासन को चेतावनी दी गई थी कि अगर आज नमाज पढ़ने की इजाजत दी जाती है तो फिर प्रदेश के युवा आरपार की लड़ाई लड़ेंगे और इसकी पूरी जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन की होगी।

जिलाधिकारी और एसपी हालात पर नजर बनाए हुए हैं। क्षेत्र में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है। समाचार लिखे जाने तक आज कोई टकराव या अप्रिय घटना की खबर नहीं है यात्रा मार्गो से लेकर बाजारों तक सन्नाटा पसरा है तथा पुलिस बल ही दिखाई दे रहा है।

दून वैली मेल

## संपादकीय

# नफरत की आग में झुलस्ता पहाड़

उत्तराखंड की शांत वादियों में जिस तरह की आग बीते कुछ समय से सुलग रही थी वह धीरे-धीरे शोलो में तब्दील होना शुरू हो गई है। बीते कल उत्तरकाशी के भटवाड़ी में एक धार्मिक स्थल को हटाने की मांग को लेकर हिंदू संगठनों और सनातन धर्म के संरक्षकों ने बवाल किया और वह पुलिस से ही भिड़ गए इस तरह संघर्ष की शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। पुलिस पर किए गए पथराव और फिर पुलिस द्वारा किए गए लाठी चार्ज की घटना में कुछ पुलिसकर्मियों सहित 29 लोगों के घायल होने की खबर है जिसमें से एक पुलिसकर्मी व एक बच्चे को इतनी गंभीर चोटें आई है कि उन्हें दूंन रेफर करना पड़ा है। इस घटना की खास बात यह है कि इस संघर्ष में तीसरा पक्ष जिसके एक धार्मिक स्थल को हटाने की मांग को लेकर यह रैली की गई वह कहीं भी शामिल नहीं था। एक खास बात यह भी है कि जिस धार्मिक स्थल को हटाने तथा बाहरी लोगों को यहां से भगाने की मांग की जा रही है उस धार्मिक स्थल को पहले ही प्रशासन द्वारा वैध बताया जा चुका है। बीते कुछ समय से राज्य में पहाड़ी और बाहरी का मुद्दा गर्माता जा रहा है। तथा महिलाओं से छेड़छाड़ और अवैध कब्जों को इस विवाद का आधार माना जा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी राज्य के डेमोग्राफिक चेंज की बात कहकर समय-समय पर राज्य की मूल संस्कृति के संरक्षण का दावा करते हैं। राज्य में धार्मिक संरचनाओं की आड़ में किए गए अवैध कब्जों को हटाने के लिए बुलडोजर अभियान चलाया जा रहा है तथा बाहरी लोग जो अवैध रूप से राज्य में रह रहे हैं उनकी पहचान करने के लिए सभी जिलों में वेरीफिकेशन ड्राइव भी चल रहा है। यह दोनों ही काम संवैधानिक दृष्टिकोण से अनुचित नहीं कहे जा सकते हैं। अवैध रूप से जमीनों पर जो भी कब्जे किए गए हैं चाहे वह वन भूमि पर हो या फिर सरकारी भूमि पर शासन को उन सभी जमीनों को कब्जा मुक्त कराना चाहिए तथा जो लोग अन्य राज्यों के हैं और अवैध रूप से रह रहे हैं उनका इतिहास-भूगोल क्या है? तथा उनके यहां रहने का उद्देश्य क्या है यह जानने का भी शासन-प्रशासन को अधिकार है। लेकिन इन मुद्दों का राजनीतिक इस्तेमाल नहीं होना चाहिए इसका भी शासन-प्रशासन को ही ध्यान रखना चाहिए। अगर किसी अन्य राज्य का या अन्य समुदाय का व्यक्ति संवैधानिक अधिकार और कानूनी तरीके से राज्य में रह रहा है तो उसे सिर्फ यह मानकर की कि वह बाहरी है उसके खिलाफ किसी भी तरह की दुर्भावनापूर्ण कार्यवाही नहीं की जानी चाहिए। लेकिन बीते कुछ सालों में राज्य में इस तरह का दुष्प्रचार किया जा रहा है कि राज्य में जो कुछ भी गलत हो रहा है वह सब बाहरी लोगों के कारण ही हो रहा है। राज्य में सामाजिक विभाजन और अलगाव की भावना को ही हवा मिल रही है। जिसकी परिणीति यह है कि जिसे पुलिस प्रशासन सही बता रहा है उसे भी आम जनता गलत मान रही है और वह अब पुलिस प्रशासन से भी मरने-मारने पर उतारू हो चुकी है। नफरत की इस आग के दूरगामी नतीजे अत्यंत ही खतरनाक हो सकते हैं। उत्तराखंड के लोग भी देश के तमाम राज्यों में रहते हैं अगर राज्य के लोग ऐसा कुछ करेंगे तो यह आग अन्य राज्यों तक फैल जाएगी इसलिए इसे तत्काल प्रभाव से रोकने की जरूरत है।

# 16 लीटर कच्ची शराब बरामद, 300 लीटर लहन किया नष्ट

चमोली (हसं)। बद्रीनाथ क्षेत्र में जंगलों में छापेमारी करते हुए पुलिस व आबकारी टीम ने अलग-अलग स्थानों से 16 लीटर कच्ची शराब बरामद की गयी है। वहीं सुयंक्त टीम ने 300 लीटर लहन नष्ट कर दो अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली बद्रीनाथ पुलिस व आबकारी विभाग टीम द्वारा एक सूचना के बाद बद्रीनाथ क्षेत्रान्तर्गत हनुमान चट्टी, पटिया, माणा, गजकोटी क्षेत्र में ताबड़तोड़ छापेमारी करते हुए जंगल के पास से 16 लीटर कच्ची शराब बरामद की गई, छापेमारी के दौरान विभिन्न स्थानों से लगभग 300 लीटर लहन नष्ट किया गया। लहन वह कच्ची सामग्री होती है जिसका उपयोग अवैध कच्ची शराब बनाने में किया जाता है। उक्त कार्रवाई के दौरान दो अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने कहा है कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य शराब के अवैध उत्पादन और बिक्री की रोकथाम है, इस तरह की संयुक्त कार्रवाइयों को नियमित रूप से आगे भी जारी रखा जायेगा, ताकि नशा तस्करों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

**वेद वाणी**

सं गोभिराङ्गिरसो नक्षमाणो भग इवेदर्यमणं निनाय।
जने मित्रो न दम्पती अनक्ति बृहस्पते वाजयाशूँरिवाजौ।।

**ऋग्वेद १०-६८-२**

जिस प्रकार प्रबुद्ध अंगिरस, अपनी किरणों से मनुष्य को अंधकार से सन्मार्ग पर ले जाता है। जिस प्रकार प्रकाश और ऐश्वर्य के दिव्य स्वामी, भग, ज्ञान और समृद्धि की ओर ले जाते हैं। जिस प्रकार एक स्नेही पुरोहित वर वधु को परस्पर स्नेह की प्रेरणा देता है। उसी प्रकार वेद वाणियों के विद्वान ,बृहस्पति, साधकों को दिव्यता के प्रकाश से प्रेरित करें और ऊर्जा प्रदान करें, जिससे वे अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकें।

# धारचूला में भी खुलेगा सामुदायिक पुस्तकालय

संवाददाता

धारचूला। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने बताया कि अब धारचूला में भी सामुदायिक पुस्तकालय खुल जायेगा जिसके लिए पांच लाख रूपये की सामग्री पहुंच गयी है।

आज यहां जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने बताया कि चीन तथा नेपाल सीमा से सटे धारचूला नगर में जिला पंचायत द्वारा पांच लाख रुपए से सामुदायिक पुस्तकालय नवंबर माह के दूसरे सप्ताह में आम विद्यार्थियों के लिए खुल जाएगा। पुस्तकालय के संचालन के लिए स्थानीय समुदाय की बैठक हुई। जिसमें एक कमेटी का गठन भी किया गया है। पुस्तकालय खुलने से पूर्व आसपास के समस्त विद्यालयों में पुस्तकालय आने वाली विद्यार्थियों की एक सूची भी तैयार की जाएगी।

इस पुस्तकालय की खुल जाने के बाद समूह ग से लेकर सिविल सर्विसेज तक की तैयारी घर बैठे- बैठे किया जा सकता है। लोक निर्माण विभाग के डाक बंगले में स्थित सभागार में आयोजित बैठक में सामुदायिक पुस्तकालय के जनक तथा जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने बताया कि जिला पंचायत की अपनी निधि से धारचूला में सामुदायिक पुस्तकालय के लिए पांच लाख रुपए की लागत से कंपटीशन की बुके तथा फर्नीचर राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में पहुंच चुकी है। उन्होंने बताया कि पुस्तकालय में वर्ष भर विद्यार्थियों के केरियर गाइडेंस की गतिविधियां संचालित की जाएगी। इसके लिए स्थानीय समुदाय को सहयोग के बिना कुछ भी संभव नहीं है। बैठक में गौरव सेनानी संगठन, व्यापार संघ, रं- कल्याण संस्था, अनुवाल समुदाय संगठन के पदाधिकारियों ने भाग लिया। इन संगठनों ने आश्वासन दिया कि सामुदायिक पुस्तकालय के संचालन में हमेशा दिल खोलकर मदद की जाएगी। इसके लिए पांच सदस्य कमेटी का गठन भी किया गया है। भविष्य में स्थानीय अध्यापकों को भी इस कमेटी से जोड़ा जाएगा।

बैठक में नगर पालिका की पूर्व अध्यक्ष अशोक सिंह नबियाल, व्यापार संघ अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह थापा, पूर्व प्रधान देवी दत्त उपाध्याय, कैप्टन आर.एस. धामी, कैप्टन भूपाल सिंह रावल, सूबेदार मेजर गंगा सिंह धामी, कैप्टन पदम सिंह कुंवर, धीरेन्द्र सिंह बुदियाल,दीपक सिंह रौंकली, गुमान सिंह बिष्ट, डॉ. किशोर सिंह सिर्खाल, जीपीएस कूटी की प्रधानाध्यापिका आभा फकलियाल, सहायक अध्यापिका हीरा बिष्ट, दीपक चंद्र जोशी, महेंद्र लाल सोनाल, गोविंद सिंह धामी, वीरेंद्र सिंह नबियाल आदि उपस्थित रहे।

# कोर्ट के फैसले का सम्मान करते हुए उपनल कार्मिकों को कार्य दे सरकार:शर्मा

संवाददाता

देहरादून। महानगर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने कहा कि सरकार से मांग करते हैं कि वे सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सम्मान करें और उपनल कार्मिकों को समान कार्य और वेतन दें।

आज यहां महानगर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष लाल चंद शर्मा नें एक बयान जारी कर कहा की उत्तराखंड राज्य में उपनल और विभिन्न स्रोतों से लगभग 25 हजार कार्मिक विभिन्न विभागों में कार्यरत हैं। इन कार्मिकों ने 2018 में उच्च न्यायालय नैनीताल में याचिका दायर की थी, जिसमें उन्हें समान कार्य और वेतन देने का आदेश दिया गया था। इसके अलावा, उन्हें एक वर्ष के भीतर चरणवदशक से नियमित करने का भी आदेश दिया गया था। लाल चंद शर्मा नें कहा की तत्कालीन भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने इस फैसले के विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट में विशेष याचिका दायर की थी। हालांकि, 15 अक्टूबर 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय के फैसले को उचित करार देते हुए सरकार की विशेष याचिका को खारिज कर दिया। शर्मा ने कहा है कि उपनल के माध्यम से कार्यरत कार्मिकों को समान कार्य और वेतन दिया जाना चाहिए। लेकिन वर्तमान में, राज्य सरकार उपनल कार्मिकों के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के विरुद्ध पुनः विचार याचिका दायर करने पर गंभीरता से विचार कर रही है। उन्होंने कहा उत्तराखंड राज्य में उपनल कार्मिकों के अधिकारों की लड़ाई में एक महत्वपूर्ण जीत हासिल हुई है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने सरकार को उपनल कार्मिकों को समान कार्य और वेतन देने का आदेश दिया है। लेकिन राज्य सरकार अभी भी उपनल कार्मिकों के अधिकारों का सम्मान नहीं कर रही है। हम सरकार से मांग करते हैं कि वे सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सम्मान करें और उपनल कार्मिकों को समान कार्य और वेतन दें।

# दूसरों की सुरक्षा के साथ-साथ स्वयं का स्वस्थ होना भी जरूरीः एसएसपी

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। एसएसपी ऊधमसिंह नगर ने पुलिस बल को शारीरिक व मानसिक रूप से चुस्त दुरुस्त रखने के लिए परेड करवाई। उन्होने कहा कि दूसरों की सुरक्षा के साथ साथ स्वयं का स्वस्थ होना जरूरी है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ऊधमसिंह नगर मणिकांत मिश्रा द्वारा आज पुलिस लाईन रुद्रपुर में पुलिस बल को दूसरों की सुरक्षा के साथ साथ स्वयं को शारीरिक एवं मानसिक रूप से चुस्त दुरुस्त रखने के लिए परेड कराई गई। जिसमें जनपद के सभी आला अधिकारी तथा समस्त थाना प्रभारी , पुलिस कार्यालय/पुलिस लाईन के सभी शाखा प्रभारी एवं कर्मचारियों द्वारा परेड में प्रतिभाग किया गया। परेड के पश्चात एसएसपी द्वारा

**❑पुलिस को चुस्त दुरस्त रखने के लिए करायी परेड**

पुलिस लाईन के परिवहन शाखा, व्यायामशाला, कर्मचारी बैरक व अन्य कार्यालयों का निरीक्षण किया गया और कर्मचारी भोजनालय का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता चैक की गयी व मैस कमांडर को आवश्यक निर्देश दिये गये।

इस दौरान एसएसपी द्वारा पुलिस लाईन में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर प्रतिसार निरीक्षक को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

# अक्षय की फिल्म सरफिरा का बॉक्स ऑफिस पर निकला दिवाला, ओटीटी पर बनी नंबर1

9० के दशक में लगातार हिट फिल्में देने वाले अक्षय कुमार पिछले काफी समय से बॉक्स ऑफिस पर असफलताओं का सामना कर रहें हैं। इस साल 2०24 में उनकी एक फिल्म रिलीज हुई, लेकिन वो भी बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं कर पाई। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई। इसके अलावा उनकी फिल्म अपने बजट जितना भी नहीं कमा पाई। हालांकि अब फिल्म ओटीटी पर स्ट्रीम हो चुकी है, जहां ये धूम मचा रही है। फिल्म को काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है।

आपको बता दें कि इस साल 2०24 में बॉलीवुड की कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हुई हैं, जिन्हें ओटीटी पर भी कुछ खास रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है। इसी बीच बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हुई एक फिल्म ओटीटी पर धमाल मचा रही है और टॉप ट्रेंडिंग में आ गई है। फिल्म को ओटीटी पर दर्शकों का शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है। इसके अलावा फिल्म को आईएमडीबी पर भी काफी अच्छी और शानदार रेटिंग मिली है, जिसने सभी को हैरान कर दिया है। अक्षय कुमार की इस फिल्म का नाम 'सरफिरा' है, जो कुछ महीने पहले ही रिलीज हुई है।

इस फिल्म का निर्देशन सुधा कोंगारा ने किया है। फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा राधिका मदान, परेश रावल और सीमा बिस्वास जैसे कलाकार नजर आ रहें हैं। यह फिल्म 12 जुलाई 2०24 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। दरअसल, यह साउथ के सुपरस्टार सूर्या की हिट फिल्म 'सोरारई पोटरु' का हिंदी रीमेक है। फिल्म को सिनेमाघरों में अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिला था। दर्शकों को फिल्म की कहानी कुछ खास पसंद नहीं आई थी, लेकिन ओटीटी पर फिल्म की कहानी और सभी कलाकारों की एक्टिंग को खूब पसंद किया जा रहा है।

इस फिल्म की कहानी वीर म्हात्रे (अक्षय कुमार) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एयरफोर्स में भर्ती होता है। महंगी फ्लाइट टिकट की वजह से वह अपने पिता को आखिरी बार देख नहीं पाता और यह घटना उसे गहरे सदमे में डाल देती है। इसके बाद वीर म्हात्रे सस्ती एयरलाइन शुरू करने का फैसला करता है। फिल्म की कहानी काफी इमोशनल है, जिसे ओटीटी पर दर्शक खूब पसंद कर रहें हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म का बजट 85 करोड़ रुपये था और इसने सिर्फ 22.13 करोड़ रुपये कमाए, जबकि इसकी वर्ल्डवाइड कमाई 3०.०2 करोड़ रुपये रही।

भले ही यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही हो, लेकिन अब यह फिल्म ओटीटी पर नंबर 1 फिल्म बन गई है। हाल ही में यह फिल्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हुई है, जहां इसे दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। अक्षय कुमार की 'सरफिरा' अब डिज्नी प्लस हॉटस्टार की ट्रेंडिंग लिस्ट में शामिल हो गई है और भारत में नंबर 1 पर ट्रेंड कर रही है। बता दें कि इस फिल्म को आईएमडीबी पर 1० में से 7.7 की रेटिंग मिली है। अगर आपने अभी तक यह फिल्म नहीं देखी है और देखना चाहते हैं, तो आप इसे आज घर बैठे आराम से देख सकते हैं। (आरएनएस)

# रतन टाटा ने दायित्व को बखूबी संभाला

जिस समय- रतन टाटा अपने ग्रुप के प्रमुख बने, भारतीय एवं विश्व अर्थव्यवस्था में नए युग की शुरुआत हो रही थी। नए तौर-तरीकों के अनुरूप अपने को आगे बढ़ाने की चुनौती दरपेश थी। रतन टाटा ने इस दायित्व को बखूबी संभाला।

रतन टाटा ने प्रमुख उद्योगपति के रूप में अपनी मिली-जुली विरासत छोड़ते हुए दुनिया को अलविदा कहा है। जिस समय- यानी 1991 में वे टाटा ग्रुप के प्रमुख बने, भारतीय एवं विश्व अर्थव्यवस्था में नए युग की शुरुआत हो रही थी। नए दौर में पुराने तरीकों से कारोबार का माहौल सिकुडऩे लगा था। रतन टाटा ने टाटा ग्रुप की जिम्मेदारी जेआरडी टाटा से संभाली थी। जेआरटी टाटा इस ग्रुप को देश का सर्व प्रमुख उद्योग समूह बना चुके थे। लेकिन अभी उनके कार्यकाल में ही धीरुभाई अंबानी जैसे उद्योगपतियों की नई पीढ़ी तेजी से उभर रही थी। इससे टाटा ग्रुप के सामने नए उद्योगपतियों की नई दृष्टि और नए तौर-तरीकों के बरक्स अपने को संभालने और आगे बढ़ाने की चुनौती दरपेश थी।

कहा जा सकता है कि रतन टाटा ने इस दायित्व को बखूबी संभाला। नए बने भूमंडलीकरण के वातावरण में वे टाटा समूह को बहुराष्ट्रीय कारोबार के दायरे में ले गए। हालांकि विदेशों में कोरस, लैंड रोवर और जगुआर जैसे समूहों को खरीदने का उनका दांव बहुत कामयाब नहीं रहा, लेकिन ये जोखिम लेकर टाटा समूह ने वैश्विक प्रतिस्पर्धा में कारोबार के महत्त्वपूर्ण अनुभव हासिल किए। नई टेक्नोलॉजी के बढ़ते प्रचलन से बने अवसर को उन्होंने समझा और टाटा ग्रुप को इन हाई टेक क्षेत्रों में कारोबार के लिए तैयार किया। अर्थव्यवस्था के साथ वित्तीयकरण की बढ़ती प्रवृत्तियों के बीच उन्होंने टाटा ग्रुप की निवेश प्राथमिकताएं बदलीं।

बहरहाल, उत्तराधिकारी चुनने का प्रकरण विवादित रहा। उन्हें अपने ही चयन से चुनौतियां मिलीं। ऐसे प्रकरणों से टाटा ग्रुप की प्रतिष्ठा पर आंच आई। इसके अलावा रतन टाटा पर राजनीति में दखल देने के आरोप भी लगे। एनजीओ फंडिंग के जरिए सरकारी नीतियों को प्रभावित करने और मोनोपॉली पूंजीवाद के दौर में राजनीति में दखल देने की बढ़ी प्रवृत्तियों के बीच उनकी भूमिका भी विवादों में आई। मगर इस दौर में टाटा ग्रुप के कई प्रतिस्पर्धी उद्योग समूहों पर ऐसे हस्तक्षेप के कहीं अधिक संगीन आरोप लगे हैं। इनके बीच रतन टाटा ने मुख्य रूप से ऐसे उद्योगपति की अपनी छवि कायम रखी, जिसने उद्यम, जोखिम, निवेश और व्यापार के जरिए अपना वैश्विक प्रभाव कायम किया है। (आरएनएस)

# उत्तराखंड की धामी सरकार का रुख कर्मचारी विरोधीः धस्माना

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि भाजपा सरकार कर्मचारियों के खिलाफ रिव्यू पिटिशन दाखिल करने जा रही है जो भारतीय जनता पार्टी का कर्मचारी विरोधी असली चेहरा बेनकाब कर रही है।

आज उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने अपने कैंप कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तराखंड उच्च न्यायालय नैनीताल द्वारा छह वर्ष पूर्व जब एक जन हित याचिका पर फैसला सुनाते हुए प्रदेश सरकार को उपनल कर्मचारियों को नियमित करने का आदेश जारी किया गया था उसी वक्त राज्य की भाजपा सरकार को इस मसले पर कर्मचारियों के हित में नीति बना कर उनको समायोजित करना चाहिए था किंतु सरकार उस आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय चली गई और अब सरकार की एसएलपी सुप्रीम कोर्ट में खारिज हो गई तो एक बार फिर उत्तराखंड की भाजपा सरकार कर्मचारियों के खिलाफ रिव्यू पिटिशन दाखिल करने जा रही है

जो भारतीय जनता पार्टी का कर्मचारी विरोधी असली चेहरा बेनकाब कर रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य भर में बाईस हजार से अधिक उपनल कर्मचारी हैं और इनमें से अधिकांश को दस से लेकर बीस वर्ष तक का समय उपनल कर्मचारी के रूप में सेवा योगदान करते हुए हो गया है और नियमित होने की प्रत्याशा में इतना लंबा समय सेवा योगदान करते रहने के बाद भी अगर सरकार उनको नियमित करने में बाधा डाल रही है तो इससे सरकार और भाजपा की नियत का साफ पता चल रहा है। धस्माना ने कहा कि वर्ष 2021 में जब उपनल कर्मचारियों का नियमितीकरण का आंदोलन अपने चरम पर था तब भाजपा सरकार के दो मंत्रियों ने धरना स्थल पर पहुंच कर कर्मचारी नेताओं को झूठा आश्वासन दे कर और कर्मचारियों को गुमराह कर आंदोलन समाप्त करवा दिया और आज जब सुप्रीम कोर्ट ने सरकार की एसएलपी खारिज की है और जिसके कारण उच्च न्यायालय का वर्ष 2019 का आदेश प्रभावी हो जाता है तब वे मंत्री खामोश बैठे हैं जिनको कर्मचारियों की तरफ से मुख्यमंत्री के दरबार में पैरवी करनी चाहिए और सरकार को रिव्यू पिटिशन दाखिल करने से रोकना चाहिए किंतु उनके अंदर इतना साहस नहीं है कि वे कर्मचारियों का पक्ष के सकें।

धस्माना ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से कर्मचारियों के साथ खड़ी है और इस संबंध में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शीघ्र मिल कर कर्मचारियों के समर्थन में मिलेंगे और उनसे रिव्यू पिटिशन दाखिल नहीं करने और उच्च न्यायालय नैनीताल के फैसले के अनुरूप कर्मचारियों को नियमित करने की मांग करेंगे।

# प्रेग्नेंसी के दौरान नहीं ले पेनकिलर

प्रेग्नेंसी में बिना डॉक्टर की सलाह के पेनकिलर्स लेने से बच्चे की ना सिर्फसेहत को नुकसान पहुंचता है बल्कि बच्चे की फर्टिलिटी भी प्रभावित होती है। रिसर्च भी कुछ यही कहती है।

रिसर्च में कहा गया है कि प्रेग्नेंसी में पेनकिलर लेने वाली महिलाओं के बच्चे की फर्टिलिटी क्षमता आगे जाकर प्रभावित हो सकती है। रिसर्च में पाया गया कि ये दवाएं डीएनए पर अपने निशान छोड़ सकती है जिससे आने वाली पीढ़ियों की फर्टिलिटी भी प्रभावित हो सकती है। रिसर्च में कहा गया है कि गर्भावस्था के दौरान पैरासिटामॉल जैसी कुछ दवाओं का इस्तेमाल सतर्कता से करना चाहिए।

ब्रिटेन में एडिनबर्ग यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने भ्रूण के वीर्यकोष और अण्डाशय के नमूनों पर पैरासिटामॉल और आईबुप्रोफेन के प्रभावों का अध्ययन किया। रिसर्च में पाया गया कि इनमें से कोई सी भी दवा एक हफ्ते तक लेने से वीर्य और अण्डे बनाने वाली कोशिकाओं की संख्या घट गई।

यह इस मायने में महत्वपूर्ण है कि लड़कियों के सभी अण्डों का निर्माण गर्भावस्था में ही हो जाता है। जन्म के वक्त इनकी कम संख्या होने का मतलब है कि इससे मीनापेनाज भी समयपूर्व हो सकता है।

शोध में पाया गया कि पैरासिटामॉल या आईबुप्रोफेन से कोशिकाओं में एक ऐसी प्रक्रिया शुरू हो सकती है जिससे डीएनए की बनावट में बदलाव आ जाता है जिसे एपिजेनेटिक मार्क्स कहते हैं। शोधकर्ताओं के मुताबिक, कुछ दिशा निर्देशों के मुताबिक अगर जरूरी होता है तो पैरासिटामॉल जिसे एक्टामिनोपेन भी कहा जाता है उसे कम से कम समय के लिए और कम से कम मात्रा में इस्तेमाल किया जाना चाहिए। गर्भावस्था में आइबुप्रोफेन का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

# गाजर की पत्तियों से सेहत को होते हैं चौकाने वाले फायदे

गाजर खाने से कई चौकाने वाले फायदे होते हैं लेकिन उसकी पत्ती खाने से भी बड़े फायदे होते हैं। जी हाँ, गाजर की पत्तियों का जूस, सब्जी और चटनी के रूप में प्रयोग करना सेहत के लिए काफी बेहतरीन होता है और इससे सेहत को कई फायदे होते हैं। आज हम आपको उन्ही फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं।

गाजर की पत्तियों के फायदे -

रेड ब्लड सेल्स का लेवल बढ़ाती हैं- जी दरअसल गाजर की पत्तियों में पाया जाने वाला क्लोरोफिल शरीर में लाल रक्त कणिकाओं यानी रेड ब्लड सेल्स के बनने की प्रक्रिया तेज करता है। इस वजह से जिन लोगों में खून की कमी होती है और वह इस समस्या से परेशान है तो उन्हें हर दिन गाजर की पत्तियों का जूस या चटनी सेवन करना फायदेमंद है।

हृदय-रोग- गाजर की पत्तियों को खाने से शरीर की नसों में जमा कोलेस्ट्रॉल कम होता है। जी हाँ और गाजर की पत्तियों का सेवन हृदय रोग में भी काफी फायदेमंद है। जी दरअसल यह रक्तशुद्धि यानी आपके

खून को भी साफ करता है और इससे हृदय के साथ ही किडनी आदि अंगों पर भार भी कम होता है।

रोग-प्रतिरोधक क्षमता के लिये बेहतर- रोग-प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यूनिटी मजबूत करने के लिए गाजर की पत्तियां बहुत काम की हैं। जी दरअसल इनमें भरपूर मात्रा में पाये जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स हमारी रोग-प्रतिरोधक क्षमता को दुरुस्त बनाये रखने का काम करते हैं।

वजन नियंत्रित रखने में कारगर- गाजर की पत्तियों का सेवन हमारे मेटाबोलिज्म को दुरुस्त बनाये रखता है, क्योंकि इसमें डाइटरी फाइबर अच्छी मात्रा में पाया जाता है। जी हाँ और यह पाचन-तंत्र को भी ठीक रखता है। इसी के साथ ही गाजर की पत्तियों में पाया जाने वाला फाइबर शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम कर दिल की सेहत लिए अच्छा होता है।

# स्वस्थ रहने के लिए ओरल हेल्थ क्यों जरुरी है?

हम सभी अच्छी तरह से जानते हैं स्वस्थ रहने के लिए मुंह में साफ सफाई रखना बहुत जरूरी है. हम सभी को बचपन से सिखाया जाता है कि पूरे दिन में दो बार ब्रश जरूर करना चाहिए. ऐसा करने से मुंह के कीटाणु फैलते नहीं है. दांतों के साथ-साथ जींभ की सफाई करना भी बहुत जरूरी है.

रिपोर्ट के मुताबिक पूरी दुनिया में 350 करोड़ लोग मुंह से जुड़ी परेशानियों से पीड़ित हैं जिसमें 230 करोड़ लोगों को दांतों में सड़न की दिक्कत हैं. विशेषज्ञों के मुताबिक हर व्यक्ति को सालभर में एक बार डेंटल चेकअप जरूर करवाना चाहिए. आइए जानते हैं डेंटल चेकअप स्वास्थ्य के लिए क्यों जरूरी होता है. इसके बारे में जानते हैं.

दांतों को टूटने से बचाता है

दांतों की सही तरीके से देखभाल नहीं करने की वजह से मसूड़ों में सड़न और इंफेक्शन का खतरा हो सकता है. दांतों में बैक्टीरिया पनपने लगते हैं और सही समय में इलाज नहीं करवाने पर दांतों को उखाड़ना पड़ सकता है. इसके अलावा सूजन और दर्द भी हो सकता है.

दांतों की सड़न को रोकता है

नियमित रूप से डेंटल चेकअप कराने से दांतों में सड़न नहीं होती है. दांतों की सड़न की वजह से कई तरह की समस्याएं हो सकती है. अगर इसे समय रहते ठीक नहीं किया गया तो आपके दांत खराब हो सकते हैं.

कैविटी से बचाता है

कुछ लोगों के दांतों में आसानी से कैविटी लग जाती है. अगर आप नियमित रूप से डेंटल चेकअप करवाते हैं तो आसनी से रोक सकते हैं. दांतों को हमेशा साफ रखने से मुंह के बैक्टीरियां को दूर रख सकते हैं.

आत्मविश्वास बढ़ता है

साफ- सफाई रखने से दांत चमकते रहते हैं जो आपकी मुस्कान में चार चांद लगाने का काम करता है. साथ ही आपके आत्मविश्वास को भी बढ़ाने में मदद करता है.

मसूड़ों के इंफेक्शन को दूर रखता है

मुंह को साफ रखने से मसूड़ों के इंफेक्शन के खतरे को कम किया जा सकता है. अगर समय रहते मुंह के बैक्टीरियां को नहीं हटाया गया तो समस्यां गंभीर बीमारी का रूप ले सकती है. मुंह की साफ- सफाई नहीं रखने से ओरल कैंसर का जोखिम बढ़ता है. इसलिए ओरल हेल्थ का खयाल रखना बहुत जरूरी है.

# बड़े काम आ सकते हैं ब्लोटिंग पेपर से जुड़े ये बेहतरीन हैक्स

आजकल मार्केट में अलग-अलग काम के लिए अलग-अलग ब्लोटिंग पेपर मौजूद हैं, लेकिन आप चाहें तो चेहरे पर इस्तेमाल किए जाने वाले ब्लोटिंग पेपर से अपने कई काम कर सकते हैं। इससे जुड़े कई ऐसे हैक्स हैं जो आपकी कई घरेलू समस्याओं को हल करने में काफी मदद कर सकते हैं। आइए आज आपको ब्लोटिंग पेपर से जुड़े कुछ ऐसे बेहतरीन हैक्स बताते हैं जिन्हें अपनाकर आप अपने घर के कई छोटे-बड़े कामों को आसानी से कर सकते हैं।

महंगे बैग को अंदर से सुरक्षित रखने के लिए आप ब्लोटिंग पेपर का इस्तेमाल कर सकते हैं। दरअसल, लोग अपने बैग में खाने-पीने की चीजें रखते हैं जो कभी-कभी बैग के अंदर ही गिर जाती हैं और इससे उनमें दाग लग जाते हैं। इसलिए बैग में लंच बॉक्स या फिर अन्य खाने की चीजें रखने से पहले इसमें कुछ ब्लोटिंग पेपर रख दें। इससे किसी भी चीज के गिरने से बैग गंदा नहीं होगा।

कई बार अधिक गर्मी और उमस भरे वातावरण के कारण चेहरा काफी तैलीय हो जाता है, फिर चाहें जितनी बार भी इसे रूमाल से साफ कर लें, यह वैसा का वैसा ही नजर आता है। ऐसी स्थिति में बार-बार चेहरे को रूमाल से साफ करने के बजाय इसे ब्लोटिंग पेपर से साफ करें। चेहरे से अतिरिक्त तेल को दूर करने के लिए ब्लोटिंग पेपर काफी उपयोगी और सुरक्षित होते हैं क्योंकि इनकी तेल सोखने की क्षमता अच्छी होती है।

मेकअप को सेट करने के लिए भी महिलाएं ब्लोटिंग पेपर का इस्तेमाल कर सकती हैं। जब भी महिलाएं अपने चेहरे पर लिक्विड मेकअप या क्रीम बेस्ड मेकअप लगाएं तो इसके बाद अपने चेहरे पर ब्लोटिंग पेपर शीट रखें और हल्के हाथों से चेहरे को थपथपाएं। ऐसा करने से ब्लोटिंग पेपर त्वचा पर मौजूद अतिरिक्त तेल को सोख लेगा और मेकअप को काफी समय तक सेट रखने में मदद करेगा।


## वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन


# सांसों की बदबू से छुटकारा पाने के लिए इन तरीकों से स्पीयरमिंट तेल का करें उपयोग

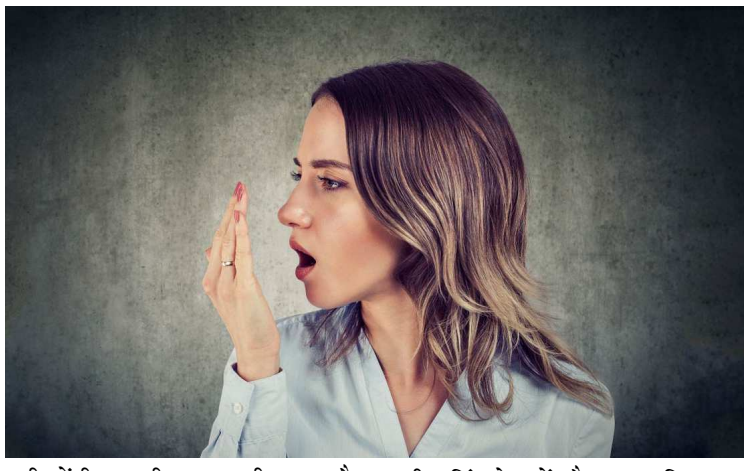

सांसों की दुर्गंध एक आम समस्या है, जिससे कई लोग परेशान रहते हैं। इस समस्या का समाधान प्राकृतिक तरीके से करना चाहते हैं तो स्पीयरमिंट तेल एक बेहतरीन विकल्प हो सकता हैयह एसेंशियल ऑयल न केवल मुंह की दुर्गंध को दूर करता है, बल्कि मुंह के स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है।आइए जानते हैं कि कैसे आप स्पीयरमिंट तेल का उपयोग करके अपनी सांसों को ताजगी दे सकते हैं।

माउथवॉश के रूप में उपयोग करें

स्पीयरमिंट तेल का सबसे आसान और असरदार तरीका है कि इसे माउथवॉश के रूप में उपयोग करें।इसके लिए एक गिलास पानी में कुछ बूंदें स्पीयरमिंट तेल मिलाएं और इस मिश्रण से कुल्ला करें।यह न केवल मुंह की दुर्गंध को दूर करेगा, बल्कि बैक्टीरिया को भी खत्म करेगा, जो दुर्गंध का कारण बनते हैं। इसके नियमित उपयोग से आपके मुंह की सफाई बेहतर होगी और सांसों में ताजगी बनी रहेगी।

टूथपेस्ट में मिलाएं

आप अपने नियमित टूथपेस्ट में भी स्पीयरमिंट तेल की कुछ बूंदें मिला सकते हैं।इससे आपके दांत साफ और चमकदार रहेंगे और साथ ही आपकी सांसें भी ताजगी भरी रहेंगी।यह तरीका बहुत ही सरल और प्रभावी है, जिसे आप रोजाना अपना सकते हैं। स्पीयरमिंट तेल में मौजूद प्राकृतिक तत्व बैक्टीरिया को खत्म करने में मदद करते हैं, जिससे मुंह की दुर्गंध दूर होती है।इसके अलावा यह मसूड़ों के स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है।

चाय या पानी में मिलाएं

स्पीयरमिंट तेल का सेवन करने से भी मुंह की दुर्गंध कम होती है। इसके लिए आप अपनी चाय या पानी में इसकी कुछ बूंदें मिला सकते हैं।यह न केवल आपकी सांसों को ताजगी देगा, बल्कि आपके पाचन तंत्र के लिए भी फायदेमंद होगा। स्पीयरमिंट तेल में मौजूद प्राकृतिक तत्व पाचन को बेहतर बनाते हैं और पेट की समस्याओं से राहत दिलाते हैं।ऐसे आप अपनी सांसों को ताजगी देने के साथ-साथ अपने स्वास्थ्य का ध्यान रख सकते हैं।

गरारे के लिए उपयोग करें

अगर आपको गले की समस्या हो रही हो या मुंह की दुर्गंध से परेशान हों तो गरारे करने के लिए स्पीयरमिंट तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं।इसके लिए एक गिलास गर्म पानी में 4-5 बूंदें स्पीयरमिंट तेल मिलाएं और इस मिश्रण से गरारे करें।इससे न केवल गले की खराश कम होगी, बल्कि मुंह की दुर्गंध भी दूर होगी और सांसों में ताजगी आएगी। इसके नियमित उपयोग से गले और मुंह का स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।

च्युइंग गम बनाएं

आप घर पर ही प्राकृतिक च्युइंग गम बना सकते हैं, जिसमें स्पीयरमिंट तेल शामिल हो।इसके लिए बेसिक सामग्री जैसे जिलेटिन या चीनी का इस्तेमाल कर सकते हैं और उसमें कुछ बूंदें स्पीयरमिंट तेल डालकर मिश्रण तैयार कर लें। इसे खाने से आपकी सांसें हमेशा ताजा रहेंगी।इस प्रकार इन सरल तरीकों से आप अपने दैनिक जीवन में स्पीयरमिंट तेल का उपयोग करके अपनी सांसों को ताजगी दे सकते हैं और मुंह के स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं।

## शब्द सामर्थ्य -107

( भागवत साहू )

**बाएं से दाएं**

1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

**ऊपर से नीचे**

1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाली 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पाचंवा हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

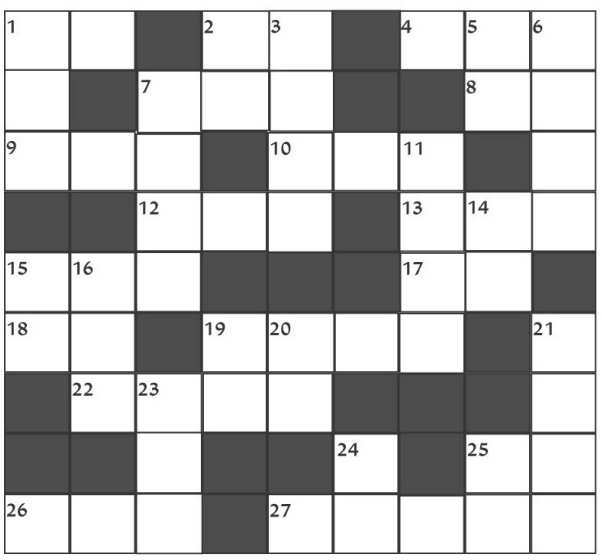

**शब्द सामर्थ्य क्रमांक106 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| वि | ज | य | ■ | ब | नि | या | ■ | दे |
| वा | ■ | ती | त | र | ■ | रा | जी | व |
| ह | मा | म | ■ | स | प | ना | ■ | ता |
| ■ | न | ■ | ■ | ■ | टा | ■ | ■ | ■ |
| दा | व | त | ■ | वि | ना | श | ■ | अ |
| य | ■ | ह | त्या | ■ | ■ | ह | र्जा | ना |
| रा | ह | त | ■ | न | ज | र | ■ | व |
| ■ | वा | ■ | ■ | ■ | मी | ■ | ना | श्य |
| दु | ला | रा | ■ | जा | न | की | ■ | क |

## सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की फिल्म धड़क़ 2 को मिली नई रिलीज तारीख

करण जौहर ने इस साल के मध्य में 2018 में आई फिल्म धडक़ के सीक्वल का ऐलान किया था। इस फिल्म में पहली बार तृप्ति डिमरी और सिद्धांत चतुर्वेदी की जोड़ी नजर आएगी।यह फिल्म 22 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन फिल्म की रिलीज आगे खिसक गई है।दरअसल, फिल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग होना अभी बाकी है, जिसमें कुछ गाने भी शामिल हैं। अब धडक़ 2 को नई रिलीज तारीख मिल गई है।

एक सूत्र ने बताया कि धडक़ 2 अब 21 फरवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिलहाल इस खबर की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।अगर धडक़ 2 अगले साल 21 फरवरी को रिलीज होती है तो यह तृप्ति के प्रशंसकों के लिए किसी उपहार से कम नहीं होगा। दरअसल, अभिनेत्री 23 फरवरी को अपना जन्मदिन मनाती हैं।बॉक्स ऑफिस पर धडक़ 2 का सामना अजय देवगन और वाणी कपूर की रेड 2 से होगा। करण ने 2018 में धडक़ का निर्माण किया था। इस फिल्म से जाह्नवी कपूर और ईशान खट्टर बॉलीवुड में अपना करियर शुरू किया था।धडक़ ने सिनेमाघरों में अच्छा प्रदर्शन किया था। 40 करोड़ रुपये की लागत में बनी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 110.11 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।यह मराठी फिल्म सैराट पर आधारित थी और उसकी कहानी को बेहद पसंद किया गया था। लगभग 5 वर्षों के बाद करण ने इसके सीक्वल का ऐलान किया है। (आरएनएस)

## मृणाल ठाकुर की फिल्म पूजा मेरी जान की रिलीज आगे खिसकी

मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म पूजा मेरी जान को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस फिल्म में हुमा कुरैशी और विजय राज भी नजर आएंगे।फिल्म के निर्देशन की कमान नवजोत गुलाटी ने संभाली है, वहीं दिनेश विजान इसके निर्माता हैं।दर्शक इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अब आपको फिल्म को देखने के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा।दरअसल, निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज तारीख को आगे खिसका दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पूजा मेरी जानी नवंबर, 2024 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब यह अगले साल की शुरुआत में सिनेमाघरों में आएगी।निर्माताओं ने यह फैसला छावा की वजह से लिया है, जो 6 दिसंबर, 2024 को रिलीज होने वाली है। दरअसल, विक्की कौशल की फिल्म की निर्माण भी विजान कर रहे हैं।विजान दोनों फिल्मों पर एक साथ ध्यान नहीं दे पा रहे हैं। इसलिए उन्होंने पूजा मेरी जानी की रिलीज को आगे खिसका दिया है।

पूजा मेरी जान की शूटिंग खत्म हो चुकी है। यह फिल्म अपने पोस्ट-प्रोडक्शन पर है।विक्रम सिंह चौहान, राजेश जैस, निखिल अंगरीश और चैतन्य व्यास जैसे सितारे भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।विजान इस फिल्म का निर्माण अम कौशिक, आनंद मिश्रा, संजीव मिश्रा और योगीराज शेट्टी के साथ मिलकर कर रहे हैं।बता दें मृणाल को आखिरी बार विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म फैमिली स्टार में देखा गया था। यह फिल्म जियो सिनेमा पर उपलब्ध है।(आरएनएस)

# वेस्टर्न आउटफिट पहने कमाल की दिखीं मोनालिसा, अदाएं देखकर घायल हुए फैंस

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका बोल्ड और स्टनिंग अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी बेहद ही ग्लैमरस तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका बोल्ड और हॉट अवतार देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।

एक्ट्रेस मोनालिसा हमेशा अपने लेटेस्ट लुक्स की फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका बोल्ड लुक सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही फैंस के बीच छा जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं।

इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस मोनालिसा ने रेड कलर की बेहद ही सेक्सी ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढक़र एक कैमरे के सामने किलर पोज दे रही हैं।

बालों की पोनी बांधकर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनका ये लुक देखकर फैंस अपनी नजरें उन पर से हटा नहीं पा रहे हैं।

इंडियन हो या फिर वेस्टर्न लुक मोनालिसा अपने हर एक लुक में काफी जबरदस्त लगती हैं। उनका कातिलाना लुक इंस्टा पर पोस्ट होते ही लोगों के बीच ट्रेंड करने लगता है।

मोनालिसा सोशल मीडिया स्टार हैं, इंस्टाग्राम पर उनके चाहने वालों की लिस्ट भी काफी लंबी है। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही लोगों के होश उड़ा देता है।

## सुरभि ज्योति के लेटेस्ट लुक ने इंटरनेट पर मचाया बवाल, एक्ट्रेस की हॉट फोटोज हुई वायरल

टीवी एक्ट्रेस सुरभि ज्योति आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं, जिसमें वो काफी ज्यादा सिजलिंग और हॉट अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

एक्ट्रेस सुरभि ज्योति हमेशा अपने बोल्ड लुक्स की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर कर अक्सर लोगों का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं।

वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टा पर शेयर की हैं।

इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कैमरे के सामने एक से बढक़र एक स्टनिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस की इन फोटोज में आप देख सकते हैं वो बेहद ही शानदार लुक में नजर आ रही हैं।

फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस सुरभि ज्योतिन ने व्हाइट कलर का टॉप पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही कातिलाना लुक में नजर आ रही हैं।

सुरभि ज्योति सोशल मीडिया लवर हैं। वो इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस की फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

ओपन हेयर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस सुरभि ज्योति ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस का हर एक स्टाइल फैंस के बीच ट्रेंड करता है। (आरएनएस)

# प्रसादम् में मिलावट भयावह और बेहद चिंताजनक

एस. सुनील

हिंदू धर्मस्थलों को मुक्ति की आवश्यकता है। इन्हें सरकारी नियंत्रण से मुक्ति की आवश्यकता है तो न्यायपालिका के समय समय पर होने वाले हस्तक्षेप और मीडिया की सतत निगरानी से भी मुक्ति की आवश्यकता है। तिरुपति प्रसादम् विवाद ने इस आवश्यकता को अनिवार्य कर दिया है। आंध्र प्रदेश की तिरुमाला की सात पहाडियों पर स्थित श्री भगवान वेंकटेश्वर मंदिर यानी तिरुपति मंदिर के लड्डू प्रसादम् में मिलावट का जो मामला सामने आया है वह भयावह और बेहद चिंताजनक है। यह करोड़ों हिंदुओं की आस्था को छिन्न भिन्न करने वाला है। इस विवाद से हिंदू मंदिरों और तमाम धर्मस्थलों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने की आवश्यकता प्रमाणित हुई है। यह सही है कि राज्य के मुख्यमंत्री श्री चंद्रबाबू नायडू ने संकेत दिया है कि अब तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम् यानी टीटीडी बोर्ड का अध्यक्ष हिंदू ही बनेगा लेकिन यह बड़ा सवाल है कि यह सरकार क्यों तय करेगी कि कौन अध्यक्ष बनेगा? यह काम सरकार के हाथ में क्यों होना चाहिए? क्या दूसरे धर्मों के धर्मस्थलों का प्रबंधन सरकार के हाथों में है? और अगर नहीं है तो क्या हिंदू धर्मस्थलों को सरकारी नियंत्रण में रखना संविधान के अनुच्छेद 14 से मिले समानता के अधिकार का उल्लंघन नहीं है?

ये सवाल इसलिए हैं क्योंकि जगन मोहन रेड्डी और उनके स्वर्गीय पिता वाईएस राजशेखर रेड्डी की सरकारों में तिरुपति के मंदिर के बोर्ड में गैर हिंदू अध्यक्ष बनाए जाने की खबरें आई थीं। इनकी सरकारों में एक ऐसे व्यक्ति को टीटीडी बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया था, जिसने भगवान वेंकटेश्वर की प्रतिमा को काला पत्थर बता कर उसे अपमानित करने की बात कही थी। ऐसे ही एक अन्य व्यक्ति को भी बोर्ड का मुख्य कार्यकारी अधिकारी बनाया गया था, जिनकी पुत्री ने ईसाई रीति रिवाज से अपनी शादी का वीडियो सार्वजनिक किया था। क्या किसी दूसरे धर्म या पंथ के धार्मिक स्थल का नियंत्रण ऐसे व्यक्ति के हाथ में दिया जा सकता है, जो उस धर्म में और उसकी मान्यताओं में आस्था नहीं रखता हो? जब इस्लाम या ईसाई धर्म के धर्मस्थलों के मामले में ऐसा नहीं होता है तो हिंदू धर्मस्थलों के मामले में भी ऐसा नहीं होना चाहिए।

संविधान के अनुच्छेद 25 में सभी नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार दिया गया है। इसी अनुच्छेद के आधार पर धार्मिक संस्था बनाने और आस्था के प्रचार का अधिकार भी मिला हुआ है और इसी अनुच्छेद के जरिए धार्मिक संस्थाओं को प्रशासित या प्रबंधित करने का अधिकार भी सभी धर्मों को मानने वालों को मिला है। तभी सवाल है कि कोई भी सरकार इस अनुच्छेद के अनुपालन में भेदभाव कैसे कर सकती है? अगर इस अनुच्छेद के अनुपालन में भेदभाव होता है तो वह संविधान के अनुच्छेद 14 से मिले समानता के अधिकार का उल्लंघन है। इसी आधार पर भारतीय जनता पार्टी के नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. सुब्रमणियन स्वामी ने अलग अलग अदालतों में कई याचिकाएं दायर की हैं। उन्होंने उत्तराखंड में चार धाम देवस्थानम प्रबंधन का गठन करके चार धाम और 51 अन्य धार्मिक स्थलों का अधिग्रहण करने के सरकार के फैसले को चुनौती दी है। उन्होंने महाराष्ट्र में भी विट्ठल रुक्मिणी मंदिर के प्रबंधन को लेकर भी हाई कोर्ट में याचिका दी है।

हिंदू धर्मस्थलों का नियंत्रण सरकारों के हाथ में होने या उनके प्रबंधन में सरकार के हस्तक्षेप से कई और विसंगतियां पैदा हो रही हैं, जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। संविधान हर व्यक्ति को अपनी धार्मिक आस्था को बिना डरे प्रकट करने और उसका प्रचार करने की अनुमति देता है। इसका लाभ उन धर्मों को होता है, जिनके धार्मिक संस्थान सरकारी नियंत्रण में नहीं हैं और जिनको मिलने वाले चंदे और दान का सारा नियंत्रण उस धर्म को मानने वाले निजी लोगों के हाथ में है। वे इसका उपयोग अपने धर्म के प्रचार, प्रसार में करते हैं। चर्च और मस्जिदों में मिलने वाले दान का इस्तेमाल ईसाई और इस्लाम धर्म के प्रचार में किया जाता है। लेकिन क्या हिंदू मंदिरों में मिलने वाले चंदे या दान का इस्तेमाल हिंदू धर्म के प्रचार, प्रसार में किया जाता है? वास्तविकता यह है कि मंदिरों में मिलने वाले चंदे और दान के एक हिस्से का इस्तेमाल तो मंदिर के प्रबंधन और प्रशासन के संचालन में होता है लेकिन धर्म के प्रचार में इसका इस्तेमाल नहीं किया जाता है। यहां तक कि धार्मिक मान्यताओं और करोड़ों लोगों की आस्था की रक्षा के लिए भी इसका उपयोग नहीं किया जाता है। अगर इसका उपयोग उचित तरीके से किया जाता तो क्या तिरुपति के मंदिर की अपनी एक प्रयोगशाला नहीं होती, जिसमें पूजा सामग्री और प्रसादम् में इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं की गुणवत्ता नियमित रूप से जांची जाती? तिरुपति के मंदिर में हर साल औसतन 12 सौ करोड़ रुपए का चढ़ावा चढ़ता है। मंदिर के हजारों करोड़ रुपए बैंकों में जमा हैं। लेकिन मंदिर प्रबंधन के पास एक छोटी प्रयोगशाला नहीं है, जिसमें मंदिर में इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं की गुणवत्ता जांची जा सके! यह कितने आश्चर्य की बात है।

ऐसा इसलिए है क्योंकि मंदिर प्रबंधन का करोड़ों हिंदुओं की आस्था और धार्मिक मान्यताओं से कोई सरोकार नहीं है। उनके लिए मंदिर का प्रबंधन वैसे ही है, जैसे किसी कंपनी या कल कारखाने का प्रबंधन होता है। वे मशीनी अंदाज में सरकारी कामकाज करते हैं। जिस तरह के चर्च का प्रबंधन ईसाई धर्मगुरू करते हैं या मस्जिदों का प्रबंधन मुस्लिम धर्मगुरुओं, मौलानाओं के हाथों में होता है वैसे ही हिंदू मंदिरों का प्रबंधन हिंदू धर्मगुरुओं के हाथ में होना चाहिए। मंदिरों को मिलने वाले दान या चढ़ावे की रकम का ऑडिट हो, उसमें किसी को कोई समस्या नहीं है। आमदनी और खर्च का ब्योरा सार्वजनिक किए जाने में भी कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। लेकिन साथ ही मंदिर प्रबंधन को चंदे और दान की रकम का उपयोग धार्मिक स्थल की शुचिता की रक्षा करने और धर्म के प्रचार प्रसार में करने की स्वंतत्रता भी होनी चाहिए।

सरकारों को यह समझने की जरुरत है कि मंदिर कोई सरकारी या निजी संस्था नहीं हैं। हर मंदिर की एक मान्यता है। उसका इतिहास है। उसकी समृद्ध विरासत है। भारत में अनेक मंदिर ऐसे हैं, जिनकी स्थापना सैकड़ों, हजारों साल पहले हुई है। हजारों वर्षों से कोई एक धार्मिक समूह या एक परिवार उन मंदिरों का रखरखाव और प्रबंधन करता रहा है। सिर्फ इस आधार पर उनसे यह अधिकार नहीं छीना जा सकता है कि अब वह मंदिर बहुत बड़ा हो गया है और उसको बहुत ज्यादा चंदा या चढ़ावा मिलने लगा है? क्या इस आधार पर सरकार किसी निजी कंपनी का अधिकार अपने हाथ में ले सकती है कि उसकी कमाई बहुत हो गई है? अगर नहीं ले सकती है तो फिर मंदिरों के मामले में ऐसा क्यों किया जाता है? माता वैष्णो देवी के मंदिर का प्रबंधन सदियों से बारीदार संभालते रहे थे। वे दसवीं सदी से मंदिर का प्रबंधन संभालते थे। लेकिन मंदिर की मान्यता बढ़ी और भक्तों की भीड़ बढ़ी तो माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड बना कर बारीदारों से प्रबंधन का अधिकार छीन लिया गया है। उत्तराखंड के चार धाम से लेकर कश्मीर में माता वैष्णो देवी के मंदिर तक की एक कहानी है। ऐसा सिर्फ हिंदू मंदिरों के साथ क्यों होता है?

ऐसे ही हर हिंदू मंदिर की कुछ विशिष्ट धार्मिक मान्यताएं हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि कई मान्यताएं वर्तमान समय के सामाजिक मूल्यों के संगत नहीं हैं। फिर भी उनमें बदलाव का फैसला सरकारी या अदालती आदेश से किया जाना क्या उचित है? सबरीमाला मंदिर में एक निश्चित आयु की महिलाओं का प्रवेश वर्जित है। लेकिन छुआछूत और समानता के अधिकार का हवाला देते हुए न्यायालय द्वारा इस पूजा परंपरा को समाप्त करने का आदेश दिया गया। क्या इस तरह के आदेश अन्य धर्मों में प्रचलित मान्यताओं को समाप्त करने के लिए सरकार के स्तर से या न्यायपालिका के स्तर से दिए जा सकते हैं? ध्यान रहे सामाजिक या पारिवारिक मान्यताएं अपनी जगह हैं। उनको समय के हिसाब से बदला जा सकता है। जैसे सुप्रीम कोर्ट ने तीन तलाक के नियम को असंवैधानिक घोषित कर दिया। लेकिन धार्मिक मान्यताएं और परंपराएं इस दायरे में नहीं आती हैं।

बहरहाल, तिरुपति मंदिर के लड्डू में जानवरों की चर्बी और मछली के तेल की मिलावट का मामला समूचे हिंदू समाज की आस्था पर गहरा प्रहार है। लेकिन इस विवाद ने एक अवसर को जन्म दिया है। इससे सबक लिया जाना चाहिए और हिंदू धर्मस्थलों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त किया जाना चाहिए। उनका प्रबंधन हिंदू धर्म में गहरी आस्था रखने वाले और परंपराओं का सम्मान करने वाले धर्मगुरुओं के हाथ में सौंपी जानी चाहिए। उन्हें भी मंदिरों को मिलने वाले दान और चंदे का विवेकपूर्ण तरीके से धर्म के प्रचार, प्रसार में खर्च करने की अनुमति होनी चाहिए। उन्हें भी धार्मिक स्थलों का विकास करने की अनुमति होनी चाहिए। संविधान का अनुच्छेद 30 भाषायी और धार्मिक अल्पसंख्यकों को अपने शैक्षणिक संस्थान बनाने और उन्हें संचालित करने का अधिकार देता है। हिंदू धर्मस्थलों को भी इस तरह का अधिकार दिया जाना चाहिए कि वे अपने शैक्षणिक संस्थान स्थापित करें और उनका संचालन करें, जहां आधुनिक शिक्षा के साथ साथ धर्म, परंपरा और संस्कृति के पांच हजार साल पुराने इतिहास की भी शिक्षा दी जा सके।

## सू- दोकू क्र. 107

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 2 | | 6 | | 8 | | 3 | |
| 9 | | 8 | | 3 | | 4 | | |
| | | | | | | | 5 | |
| 5 | | 2 | | | 7 | | 6 | |
| | 8 | | 4 | | | 1 | | 3 |
| | | | | 9 | | | | |
| 8 | | | 9 | | | | 1 | |
| | 5 | | | 1 | | 6 | | 2 |
| | | 1 | 7 | | | | 4 | |

**नियम**

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

**सू-दोकू क्र.106का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 6 | 3 | 8 | 1 | 4 | 9 | 7 | 5 |
| 9 | 5 | 4 | 2 | 6 | 7 | 3 | 1 | 8 |
| 8 | 7 | 1 | 9 | 3 | 5 | | 6 | 2 |
| 6 | 2 | 7 | 5 | 4 | 8 | 4 | 3 | 9 |
| 3 | 9 | 8 | 6 | 7 | 1 | 2 | 5 | 4 |
| 4 | 1 | 5 | 3 | 2 | 9 | 6 | 8 | 7 |
| 5 | 3 | 2 | 4 | 8 | 6 | 7 | 9 | 1 |
| 1 | 8 | 6 | 7 | 9 | 2 | 5 | 4 | 3 |
| 7 | 4 | 9 | 1 | 5 | 3 | 8 | 2 | 6 |

# रिटेल कारोबार चमकेगा

साल- दो साल पहले तक ई-कॉमर्स फेस्टिवल्स में ऑर्डर्स की कतार लग जाती थी। लेकिन इस बार इलेक्ट्रॉनिक सामानों से लेकर लाइफस्टाइल उत्पादों तक की वैसी मांग नहीं देखी गई। आम बाजारों में तो यह हाल पहले से है।

खबर है कि बीते सप्ताहांत ई-कॉमर्स फेस्टिवल कमजोर रहा। अमेजन और कुछ अन्य प्लैटफॉर्म्स पर शुक्रवार से रविवार तक 40 फीसदी तक छूट के साथ उपभोक्ता सामग्रियां बेची गईं। बताया जाता है कि पहले दिन तो ठीक-ठाक ऑर्डर मिले, लेकिन बाद के दो दिन इनमें भारी गिरावट आ गई। जबकि साल- दो साल पहले तक ऐसे फेस्टिवल्स में ऑर्डर्स की कतार लग जाती थी। लेकिन इस बार इलेक्ट्रॉनिक सामानों से लेकर लाइफस्टाइल उत्पादों तक की वैसी मांग नहीं देखी गई। बाजारों में तो यह हाल पहले से है। इस पर कहा जाता था कि लोगों का तौर-तरीका बदल गया है।

अब ऑनलाइन खरीदारी का जमाना है। मगर ऐसा लगता है कि आमदनी वृद्धि गतिरुद्ध होने और इसके परिणामस्वरूप बाजार में मांग कमजोर होने से बने हालात की चपेट में ऑनलाइन ई-कॉमर्स भी आने लगा है। हकीकत यह है कि सरकार की आर्थिक प्राथमिकताओं के कारण भारत में उपभोक्ता बाजार का फैलना काफी पहले रुक चुका है। आबादी के एक छोटे हिस्से की आमदनी जरूर तेजी से बढ़ी है, लेकिन बहुसंख्यक जनता का जीवन स्तर रोजगार के अवसरों की कमी और महंगाई की मार की वजह से गिरता चला गया है। इसका असर बाजार पर साफ दिखता है। इसका असर उद्योग जगत पर भी दिखता है, जहां तमाम सरकारी प्रोत्साहनों के बावजूद निजी निवेश में बढ़ोतरी नहीं हो पा रही है। जिस छोटे तबके की आमदनी बढ़ी है, वही ई-कॉमर्स में चमक का आधार है। मगर वह तबका भी कितनी जल्दी-जल्दी अपने इलेक्ट्रॉनिक सामान या अन्य टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं को बदलेगा?

तो इस बार बाजार के असल ट्रेंड का असर ई-कॉमर्स फेस्टिवल पर भी पड़ा है। चूंकि आज चलन खबरों को आशाजनक मोड़ देकर खत्म करने का है, तो संबंधित खबरों में संभावना जताई गई है कि अक्टूबर में जब दशहरा करीब आएगा और उसके बाद दिवाली का माहौल बनेगा, तो उपभोक्ता खुले हाथ से खर्च करेंगे। इस वर्ष उपभोक्ता खर्च में 20 फीसदी बढ़ोतरी का अनुमान है। इससे रिटेल कारोबार चमकेगा। इस पर यही कहा जा सकता है कि स्थितियां जब प्रतिकूल हों, तब ऐसी उम्मीदों और अनुमानों का सहारा ही बचता है। (आरएनएस)

# छात्र संघ चुनाव न कराने पर छात्रों का गुस्सा फूटा

## ❑सरकार पर छात्र हितो पर कुठाराघात करने का आरोप

विशेष संवाददाता

देहरादून। छात्र संघ चुनाव न कराने के फैसले से नाराज छात्रों ने आज राजधानी दून से लेकर पूरे प्रदेश में धरना प्रदर्शन और ताले बंद कर नाराजगी जताई है। खास बात यह है कि एबीवीपी और एनएसयूआई सहित तमाम छात्र संगठनों के छात्र एकजुट होकर इसका विरोध कर रहे हैं तथा सरकार से चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं।

प्रदर्शनकारी छात्रों का कहना है कि सरकार की गलतियों के कारण ऐसा हो रहा है। सरकार को इसके लिए हाईकोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर करनी चाहिए। उनका कहना है कि छात्र संघ के चुनाव न कराया जाना छात्र हितों पर कुठाराघात

है। राजधानी दून के एमकेपी की छात्राओं ने इस फैसले के विरोध में कॉलेज के गेट पर धरना प्रदर्शन किया वहीं डीएवी कॉलेज के छात्रों ने मुख्य द्वार पर ताला डालकर धरना दिया, जिसमें एबीवीपी और एनएसयूआई के छात्र शामिल थे। छात्रों का कहना है कि जब तक सरकार छात्र संघ चुनाव कराने पर सहमत नहीं होगी आंदोलन जारी रहेगा।

उधर नैनीताल तथा हल्द्वानी में छात्र संघ चुनाव टाले जाने से नाराज छात्रों द्वारा धरना प्रदर्शन करने की खबरें हैं। यहां एमवीपीजी कॉलेज के छात्र नेताओं द्वारा प्राचार्य को उनके ही ऑफिस में बंधक बना लिया गया। छात्रसंघ चुनाव न कराने से नाराज छात्र प्राचार्य से मिलने पहुंचे और उनके द्वारा चुनाव न कराने की बात कहे जाने पर छात्रों ने उनके ऑफिस पर ताला डालकर उन्हें बंधक बना लिया। उधर अल्मोड़ा से प्राप्त समाचार के अनुसार यहां छात्रों ने शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और प्रदर्शन किया। छात्र एसएलवी यूनिवर्सिटी की छत पर चढ़ गए और सरकार तथा कालेज प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।

बीते कल हाई कोर्ट में सरकार द्वारा अपना पक्ष रखने के बाद इस मुद्दे पर दायर याचिका को निस्तारण किए जाने के बाद छात्रों में भारी आक्रोश है। राज्य के तमाम हिस्सों से इसे लेकर प्रदर्शन की खबरें मिल रही है बागेश्वर में छात्रों द्वारा सड़क जाम करने की खबर है।

# केदारनाथ उपचुनावः भाजपा ने आशा व कांग्रेस ने मनोज पर लगाया दाव!

## ❑नाम फाइनल, औपचारिक घोषणा बाकी

विशेष संवाददाता

दिल्ली/देहरादून। केदारनाथ विधानसभा सीट के लिए 20 नवंबर को होने वाले चुनाव की तैयारियों में जुटी भाजपा और कांग्रेस अपने प्रत्याशियों के नामों की घोषणा अब किसी भी क्षण कर सकती है। दोनों ही पार्टियों द्वारा अपने प्रत्याशियों के नाम तय कर लिए गए हैं।

दिल्ली से मिल रही सूचनाओं के अनुसार भाजपा ने एक बार फिर अपनी दो बार की विधायक आशा रानी नौटियाल का नाम फाइनल कर दिया है तथा कांग्रेस भी अपने एक बार के विधायक मनोज रावत पर दांव लगाने जा रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नाम तय हो चुके हैं बस अब इनकी औपचारिक घोषणा किया जाना बाकी बताया जा रहा है। लेकिन चुनाव के दौर में कब चाल बदल जाए इसका अनुमान लगाना बहुत मुश्किल होता है। अंतिम समय में अगर कोई फेर बदल नहीं हुआ तो आज देर शाम तक दोनों ही प्रत्याशियों के नामों की घोषणा हो जानी चाहिए क्योंकि अब नामांकन के लिए भी अधिक समय नहीं बचा है।

भाजपा के लिए इस सीट पर प्रत्याशी का चयन थोड़ा मुश्किल इसलिए हो रहा था क्योंकि दर्जन भर दावेदार थे। बताया जा रहा है कि भाजपा ने दो बार विधायक रही आशा रानी पर इसलिए भरोसा जताया है क्योंकि उन्हें पिछले चुनाव में टिकट नहीं दिया गया था फिर भी वह पार्टी के साथ खड़ी रही। उधर कांग्रेस के पास कोई ज्यादा विकल्प भी नहीं थे इसलिए अपने एक बार के विधायक मनोज रावत पर ही भरोसा जताया गया है। लेकिन जब तक इसकी औपचारिक घोषणा नहीं होती है तब तक इसमें फेर बदल भी संभव है।

# अंतिम छोर तक के व्यक्ति को मिलेगा योजनाओं का लाभः जोशी

संवाददाता

देहरादून। ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि अंतिम छोर तक के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है।

आज यहां ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने आईएसबीटी स्थित एक निजी होटल में प्रधानमंत्री आवास योजना पर मानक मंथन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने मानक मंथन के अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि यह एक महत्वपूर्ण मंच है, जो भारतीय मानकों की चर्चा और उनके प्रोत्साहन के लिए समर्पित है। ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद दूसरी फाइल प्रधानमंत्री आवास योजना की फाइल साइन की थी। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में अंतिम छोर तक के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि योजनान्तर्गत प्रति आवास 1.30 लाख की अनुदान राशि लाभार्थी को दी

जा रही है। इसके अतिरिक्त शौचालय निर्माण हेतु 12 हजार रूपये की धनराशि दी जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा किचन सामग्री बर्तन आदि खरीद हेतु प्रति लाभार्थी 6 हजार रूपये की दर से सहायता राशि दी जा रही है। इस प्रकार कुल 1.73 लाख रूपये की धनराशि आवास निर्माण हेतु दी जा रही है। उन्होंने कहा कि योजनान्तर्गत द्वितीय फेज में आवास प्लस सूची की स्थाई प्रतीक्षा सूची में सम्मिलित समस्त 56040 परिवारों को शत-प्रतिशत किया जा चुका है तथा कुल 796.15 करोड़ रूपये की धनराशि का व्यय किया गया है। ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री घोषणा के तहत वित्तीय वर्ष 2022-23 से आगामी वर्षों के लाभार्थियों हेतु प्रति लाभार्थी किचन सामग्री बर्तन खरीद हेतु दी जाने वाली अतिरिक्त सहायता धनराशि को 5 हजार रूपये से बढ़ाकर 6 हजार रूपये की गयी है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार योजनान्तर्गत प्रारम्भ से अब तक कुल 68600 आवास आवंटित करते हुए कुल 966.02 करोड़ रूपये की धनराशि का व्यय किया गया है।

# 85 किलो पनीर बरामद कर जांच को भेजा

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। त्यौहारी सीजन के चलते पुलिस द्वारा की जा रही चैकिंग के दौरान एक वाहन से 85 किलो नकली दिखने वाला पनीर बरामद किया गया है। जिस पर पुलिस ने खाद्य विभाग की टीम को बुलाकर उक्त पनीर के सैंपल को जांच हेतू प्रयोगशाला भिजवा दिया गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार आगामी दीपावली पर्व के दृष्टिगत सुरक्षा/शान्ति व्यवस्था के परिपेक्ष्य में थाना क्षेत्रान्तर्गत संदिग्ध वस्तुओं/व्यक्तियों एवं त्यौहार के दृष्टिगत नकली मावा, दूध आदि की बिक्री होने की सम्भावना को लेकर सघन चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

आज प्रतापपुर बैरियर पर उप निरीक्षक देवेन्द्र सिंह सामन्त मय फोर्स द्वारा दौराने चैकिंग एक वाहन को रोककर चैक किया गया उक्त वाहन को चालक आसिफ पुत्र अब्दुल अजीज निवासी का गुलरघट्टी रामनगर जनपद नैनीताल चला रहा है। उक्त वाहन से लगभग 85 किलो पनीर बरामद हुआ। वाहन चालक द्वारा बताया कि वह पनीर डोंगरपुर थाना दलपतपुर जिला मुरादाबाद उत्तर प्रदेश से लेकर आ रहा है तथा गुलरघट्टी रामनगर लेकर जायेगा।

बरामद पनीर दिखने में नकली प्रतीत होने पर उप निरीक्षक देवेन्द्र सिंह सामन्त द्वारा खाद्य विभाग से सम्पर्क किया गया जिस पर डा. प्रकाश फुलारा अभिहीत अधिकारी उधमसिंहनगर, अपर्णा शाह खाद्य सुरक्षा अधिकारी काशीपुर, प्रकाश आर्या, खाद्य सुरक्षा अधिकारी रूद्रपुर, पवन कुमार खाद्य सुरक्षा अधिकारी जसपुर मौके पर पहुंचे जिनके द्वारा पनीर का सैम्पल लेकर परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भिजवाया गया तथा परीक्षण रिपोर्ट प्राप्त होने पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जायेगी

# चोरी का खुलासा, किरायेदार ही निकला चोर

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी का खुलासा करते हुए किरायेदार को चोरी के सामान के साथ गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सखानन्द ठाकुर निवासी पिन्डर वैली नकरौन्दा द्वारा डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वे अपने उपचार के लिए दिल्ली गये थे। 23 अक्टूबर 2024 को जब घर वापस आये तो देखा कि किसी ने उनके घर का ताला तोड कर घर मे रखा 01 फ्रिज, 01 वाशिंग मशीन, 01 कमर्शियल सिलेण्डर, 02 घरेलू सिलेन्डर, 01 गैस चूल्हा, 01 एलईडी टीवी, 02 बडे व 01 छोटा ब्रीफकेस व 01 होम थियेटर तथा अन्य कीमती समान चोरी कर लिया है। आस-पास से जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि उनके किरायेदार अर्पण निवासी दयानन्द नगर शामली द्वारा उनके घर मे चोरी की गयी है। घटना के खुलासे तथा आरोपी की गिरफ्तारी हेतु एसएसपी के निर्देशों पर थाना डोईवाला में पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण कर आस-पास तथा आने

जाने वाले रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेजों को चैक करते हुए आरोपी के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की गई। पुलिस टीम द्वारा किये जा रहे प्रयासों के परिणामस्वरूप गत देर रात को चैकिंग के दौरान नकरौन्दा, हर्रावाला के पास से घटना में शामिल अर्पण पुत्र सुधीर कुमार निवासी दयानंद नगर कोतवाली शामली, उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया गया। आरोपी की निशानदेही पर उसके कारगी चौक, पटेलनगर स्थित किराये के मकान से उक्त चोरी की घटना से सम्बन्धित माल बरामद कर घटना से सम्बन्धित चोरी हुयी सम्पति की शत-प्रतिशत बरामदगी की गयी। पूछताछ में उसके द्वारा बताया गया की वह शामली उत्तर प्रदेश का रहने वाला है तथा पूर्व में वो यंग पैशन नाम की एक कंपनी में काम करता था। मई में उक्त कम्पनी मे कार्य करना छोड़ कर वो वापस अपने गावं शामली चला गया था, जहां पर काफी समय तक काम की तलाश करने पर भी उसे कोई काम नहीं मिला, जिससे वह आर्थिक रूप से काफी परेशान हो गया। जिसके बाद सितम्बर 2024 में पुनः वापस देहरादून आया तथा पिंडर वैली में एक कमरा किराए पर लेकर रहने लगा। दो अक्टूबर को उसने मकान मालिक के मकान का ताला तोडकर सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

## एक नजर

# स्कूल वैन पर फायरिंग, मचा हड़कंप

हमारे संवाददाता

अमरोहा। अज्ञात बदमाशों ने आज सुबह एक स्कूल वैन पर फायरिंग कर दी। जिससे स्कूली बच्चे दहशत में आ गये। हालांकि चालक द्वारा समझदारी दिखाते हुए स्पीड से वैन को मौके से भगा लिया गया और स्कूल पहुंचाया। मामला जिला अमरोहा के गजरौला थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार आज सुबह एसआरएस इंटरनेशनल स्कूल की वैन बच्चों को लेकर आ रही थी। वैन में नर्सरी से लेकर कक्षा चार तक के छोटे बच्चे सवार थे। इसी दौरान चार अज्ञात बदमाशों ने वैन को निशाना बनाते हुए दो राउंड फायरिंग की और उसके बाद पथराव भी कर दिया। गोलियों की आवाज से बच्चे सहम गए और रोने-बिलखने लगे। बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ड्राइवर ने बिना रुके वैन को स्कूल पहुंचाया। स्कूल प्रशासन ने तुरंत बच्चों के परिजनों को सूचित किया। कुछ ही देर में बच्चों के परिजन स्कूल पहुंच गए और बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। इस दौरान पुलिस को भी घटना की जानकारी दी गई। वहीं मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, स्कूल वैन ड्राइवर ने पुलिस को दिये बयान में बताया कि वह हर रोज की तरह बच्चों को लेकर स्कूल जा रहा था कि 3 बाइक सवार बदमाशों ने बाइक अड़ाकर वैन रोकी। उन्होंने पहला फायर किया तो उसने बस दौड़ा ली। बस में 28 स्कूली बच्चे थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, बस ड्राइवर मॉन्टी पर हमला हुआ था। गत 21 अक्टूबर को आरोपी युवकों के साथ एक एक्सीडेंट के चलते उसका विवाद हो गया था। इसी रंजिश में हमला हुआ और बच्चों की जान खतरे में पड़ी।

# एनआईए ने अनमोल बिश्नोई पर घोषित किया 10 लाख का इनाम

नई दिल्ली। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई पर भी एनआईए ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। जांच एजेंसी ने अनमोल बिश्नोई पर 10 लाख रुपये का इनाम घोषित किया है। अनमोल बिश्नोई के खिलाफ 2022 एनआईए की ओर से दर्ज मामलों में आरोप पत्र दाखिल किया जा चुका है।बता दें कि बाबा सिद्दकी केस में भी अनमोल बिश्नोई का नाम सामने आया है। अनमोल बिश्नोई गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का सगा भाई है। उस पर बाबा सिद्दीकी शूटर्स से स्नैपचौट के जरिए संपर्क में रहने और बाबा सिद्दकी और जिशान की फोटो शूटर्स को स्नैपचौट पर भेजकर सुपारी देने का आरोप है। अनमोल बिश्नोई फिलहाल अमेरिका में रहकर लॉरेन्स के गैंग को ऑपरेट कर रहा है। वह गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के साथ मिलकर गैंग को ऑपरेट कर रहा है। बता दें कि अनमोल बिश्नोई पर 18 से ज्यादा आपराधिक मुकदमे दर्ज है। अनमोल बिश्नोई जोधपुर जेल में रह चुका है और 7 अक्टूबर 2021 को वह जमानत पर रिहा हुआ था। रिहाई के बाद फर्जी पासपोर्ट पर वह कनाडा भाग गया था। इसी साल अप्रैल महीने में सलमान की बालकनी ओर हुई फायरिंग मामले की जिम्मेदारी भी अनमोल बिश्नोई ने ली थी।

# भारत-चीन सीमा पर शुरू हुई डिसइंगेजमेंट की प्रक्रिया

नई दिल्ली। भारत-चीन के बीच सीमा पर पिछले चार साल से चल रहा तनाव अब धीरे-धीरे खत्म होने की ओर बढ़ रहा है। दो दिन पहले ही रूस के कजान में पीएम नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच BRICS समिट से इतर द्विपक्षीय बाघ्तचीत हुई थी जिसका असर अब बॉर्डर पर भी देखने को मिल रहा है। चार दिन पहले हुए समझौते और मोदी जिनपिंग की मुलाकात के बाद पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर सेनाओं का डिसइंगेजमेंट यानी सैनिकों की वापसी शुरू हो गई है। देपसांग और डेमचौक में स्थानीय कमांडर डिसइंगेजमेंट पर नजर रख रहे हैं। इस बीच डेमचौक में बडा डेवलेपमेंट हुआ है दोनों तरफ से अब तक पांच पाच टेंट हटा लिए गए है। ये प्रक्रिया जारी है। गुरुवार रात तक लगभग आधा काम पूरा हो चुका है। एक बार जब सभी टेंट और अस्थायी ढांचे पूरी तरह से हटा दिए जाएंगे, तो एक संयुक्त सत्यापन प्रक्रिया शुरू होगी। सत्यापन जमीन पर और हवाई सर्वेक्षण दोनों के माध्यम से किया जाएगा, हालांकि वर्तमान में दोनों पक्षों के बीच आपसी विश्वास के आधार पर ऑपरेशन आगे बढ़ रहे हैं। डेमचौक में, भारतीय सैनिक चार्डिंग नाला के पश्चिमी हिस्से की ओर पीछे हट रहे हैं तो चीनी सैनिक नाला के पूर्वी हिस्से की ओर पीछे हट रहे हैं। दोनों तरफ करीब 10 से 12 अस्थायी ढांचे और करीब 12 तंबू बने हुए हैं जिन्हें हटाने की तैयारी है।

# योजनाओं की स्वीकृति में प्रक्रियाओं को सरल किया जाएगा: रतूड़ी

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूडी ने निर्देश दिए हैं कि योजनाओं की स्वीकृति में प्रक्रियाओं को सरल किया जाए।

आज यहां मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिवों एवं सभी विभागीय सचिवों को उनके विभागों में प्रस्तावित व गतिमान योजनाओं/कार्यकम आदि का जमीनी स्तर पर भली-भांति परीक्षण / आंकलन व तुलना करने के बाद ही मंत्रिमण्डल की बैठक में विचारार्थ प्रस्तुत करने के निर्देश जारी किये हैं। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने सभी विभागो को अपनी वर्तमान योजनाओं का आंकलन कर एक समान योजनाओं को मरज करने के प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। सीएस श्रीमती रतूड़ी ने नई योजना बनाते समय दूसरे विभागों की एक समान योजनाओं का भी परीक्षण करने के निर्देश

दिए हैं ताकि दो विभागों के वित्तीय प्रस्तावों के मध्य कोई विसंगति न हो। इसके साथ ही उन्होंने सभी प्रस्तावित योजनाओं में वित्तीय अनुशासन एवं मितव्ययिता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए हैं कि योजनाओं की स्वीकृति में प्रक्रियाओं को सरल किया जाए ताकि अनावश्यक रूप से विलम्ब तथा 'टाईम एण्ड कॉस्ट ओवर रन' न हों।

मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने लोक निर्माण विभाग द्वारा रोड कटिंग के स्पष्ट मानक बनाने एवं जिलाधिकारी की अनुमति के बिना किसी भी विभाग द्वारा सड़क को बार-बार क्षति न पहुंचाने के भी निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने सम्बंधित अधिकारियो को उक्त विषय पर जारी अपने पत्र में सख्त हिदायत देते हुए कहा है कि प्राय: देखा जा रहा है कि विभिन्न विभागों में प्रस्तावित व गतिमान योजनाओं/कार्यकम आदि का जमीनी स्तर पर भली-भांति परीक्षण / आंकलन व तुलना किए बिना ही मंत्रिमण्डल की बैठक में विचारार्थ प्रस्तुत कर दिया जाता है, जिससे वास्तविक उद्देश्य प्राप्त नहीं हो पाते है।

मुख्य सचिव ने अधिकारियो को इस सम्बन्ध में शीघ्र आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

# कार की चपेट में आकर स्कूटी सवार घायल

संवाददाता

देहरादून। कार की चपेट में आकर स्कूटी सवार घायल हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कैनाल रोड करनपुर निवासी राशिद निसार ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके मामा अपनी स्कूटी से घर की तरफ आ रहे थे जब वह ईसी रोड पर स्थित एसजीआरआर स्कूल के पास पहुंचे तभी कार सवार ने तेजी व लापरवाही से कार चलाते हुए उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गये जिनको अस्पताल में भर्ती कराया गया। कार सवार मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

# स्कूटी सवार ने लूटा महिला का पर्स

संवाददाता

देहरादून। स्कूटी सवार ने महिला का हजारों रूपये से भरा पर्स लूट लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार पशुलोक निवासी प्रेरणा राणा ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह बाजार से घर की तरफ जा रही थी जब वह रेलवे रोड पर पहुंची तो पीछे से आ रहे एक स्कूटी सवार ने उसके हाथ पर झपटा मारकर उसका पर्स लूट लिया। उसने शोर मचाया लेकिन तब तक वह आंखों से औझल हो गया था। पर्स में तीन हजार रूपये नगद, मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड आदि सामान था।

# चार रिकवरी एजेंट गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। गाड़ियों की रिकवरी के नाम पर वाहन स्वामियों को डरा धमकाकर कर लूट खसोट करने वाले चार रिकवरी एंजेटों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी खुद को महिंद्रा एंड महिन्द्रा फाइनेंस कम्पनी का एजेन्ट बता रहे थे।

बता दें कि विगत कुछ दिनों से आए दिन रिकवरी एजेंटों द्वारा लोगों के साथ की जा रही लूट खसोट, मारपीट आदि घटनाओं का संज्ञान लेते हुए एसएसपी हरिद्वार द्वारा सभी थाना प्रभारियों को इस दिशा में सख्त कार्यवाही हेतु आदेशित किया गया था। जिसके अनुपालन में थाना बहादराबाद पुलिस द्वारा कल शाम संदिग्ध व्यक्तियों के वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। उसी दौरान ख्याति ढाबा के पास कुछ लोगों द्वारा आने-जाने वाली गाडियों को रोककर उनके साथ बहस की जा रही थी। जिस कारण ख्याति ढाबे के पास जाम की स्थिति उत्पन्न हो गयी। उक्त लोगों से वाहन रोकने के सम्बन्ध में पूछने पर उनके द्वारा खुद को महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा फाईनेन्स कम्पनी के रिकवरी एजेन्ट बताया गया। जिनसे आईडी की मांग करने पर उनके द्वारा आईडी संबंधी कोई प्रपत्र नहीं दिखाए गए व पुलिस के साथ बहस करने लगे। काफी प्रयासों के बाद भी कथित एजेंटों द्वारा वाहन स्वामियों के साथ लड़ाई झगड़ा करते हुए शांति व्यवस्था प्रभावित करने के साथ साथ यातायात जाम भी किया जा रहा था जिससे आम जनता के लोग परेशान हो रहे थे। इस पर कार्यवाही करते हुए थाना बहादराबाद पुलिस द्वारा उक्त चारों व्यक्तियों को हिरासत में लेते हुए घटना में प्रयुक्त क्रेटा कार को भी सीज किया गया। उक्त सभी लोग अवैध तरीके से वाहनों को रोककर वाहन स्वामियों से मारपीट, धमकी देकर लूट खसोट करते थे। पूछताछ में उन्होने अपना नाम अंकित पंवार पुत्र कृष्णपाल निवासी चौक बाजार कनखल हरिद्वार, रवि धीमान पुत्र किरणपाल निवासी शिव मंदिर जगजीतपुर पीठ बाजार थाना कनखल हरिद्वार, नवदीप मलिक पुत्र रविन्द्र मलिक निवासी शिवलोक कालोनी कोतवाली रानीपुर हरिद्वार व अंकित शर्मा पुत्र अशोक कुमार शर्मा निवासी राजविहार कालोनी राजा गार्डन थाना कनखल हरिद्वार बताया। पुलिस उनके खिलाफ अग्रिम कार्यवाही शुरू की गयी है।

**आर.एन.आई.-** 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

***प्रधान संपादक***
**कांति कुमार**

***संपादक***
**पुष्पा कांति कुमार**

***समाचार संपादक***
**आनंद कांति कुमार**

**कानूनी सलाहकार:**
**वी के अरोड़ा, *एडवोकेट***
**बैजनाथ, *एडवोकेट***

**कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।**
**मो. 9358134808**

*नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।*